

[Shri Era Anbarasu]

I invite a delegation from the Ministry or from the Parliament for a complete comprehensive study of the problems facing Neyveli Lignite Corporation and all bottlenecks be removed.

For a smooth and swift functioning of the said Corporation, I urge upon the Hon'ble Minister for Mines to (1) take necessary steps to bring the mine workers under the purview of National Wage Board and (2) to bring about a Central Legislation for permanent rehabilitation of displaced persons.

(x) PROBLEMS OF THE AGRA SHOE INDUSTRY

श्री चन्द्र पाल शैलानी (हाथरस) मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आगरा के चर्म उद्योग एवं जूता व्यापार की दिन प्रति दिन बिगड़ती हुई दशा की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

श्रीमन्, आगरा जूतों के निर्माण का बहुत बड़ा केन्द्र है। यहां के जूते देश में सभी फुटकर दूकानों तथा निर्यात हो कर अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में बिकते हैं। पिछले कुछ समय से आगरा के इस पारम्परिक उद्योग के विकास में न केवल ठहराव आया है बल्कि उसका ह्रास भी हो रहा है। एक ओर जहां आगरा के जूतों की बिक्री देश के बाजारों में निश्चित तौर पर कम हुई है वहां दूसरी ओर निर्यात के क्षेत्र में भी बहुत बड़ी कमी हुई है।

आगरा में जूतों का अधिकांश मात्रा में उत्पादन कुटीर उद्योगों द्वारा किया जाता है जिस में 95 प्रतिशत गरीब अनुसूचित जाति के लोग लगे हुए हैं। इनका माल तीन सौ फैक्टर्स (कमिशन एजेंट्स) के माध्यम से बिकता है जहां पर्चा प्रणाली प्रचलित है जो आगरा के चूता व्यापार की सब से बड़ी तथा भयंकर समस्या है। इस प्रणाली से जहां उबत आदति दिन प्रति दिन अपनी

पूजी बढ़ाते जा रहे हैं वहां दिन रात कठोर मेहनत करने वाले कारीगरों की आर्थिक दशा प्रति दिन बिगड़ती जा रही है। कारीगर जब अपने तैयार माल को बेचने फैक्टर्स के पास पहुंचता है तो वे उसके माल की नकद कीमत अदा करने के स्थान पर पांच महीने की अवधि तक का पर्चा काट देता है जबकि वह अपने ग्राहक से पन्द्रह दिन की निश्चित अवधि में भुगतान प्राप्त कर लेता है। इस पर्चे पर सामान्यतः डेढ़ से दो प्रतिशत के व्याज पर धन देने के लिए अनेक विधिलिये बाजार में काफी संख्या में बढ़ गए हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार इस माध्यम से इस व्यापार में बीस करोड़ रुपए की कृत्रिम मुद्रा का निवेश है। परिणामस्वरूप माल महंगा और कम स्तरीय मिलता है।

गत दो वर्षों में फुटवियर मूल्यों में दो गुनी से अधिक वृद्धि हुई है। इसके कारण उपभोग में कमी आई है और व्यापार में मन्दा आ गया है। आगरा देश की पचास प्रतिशत आवश्यकता पूरी करता था किन्तु आज पच्चीस प्रतिशत भी नहीं कर पाता। इसके अनेक कारण हैं। सब से बड़ा कारण यह है कि इस उद्योग की तकनीक जिस प्रकार तेजी से विकसित हुई है उसको यहां के उद्योगों ने नहीं अपनाया। सरकार के करारोपण के कृत्रिम भय एवं अन्य लागू नीतियों का कुप्रभाव इस उद्योग पर पड़ रहा है। यहां के कारीगर देश के अन्य भागों में काम की तलाश में जा रहे हैं। आगरा में चर्म उद्योग से सम्बन्धित 35 इकाइयां फैक्ट्री अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत हैं किन्तु वास्तव में चार सौ से अधिक फैक्ट्रियां ऐसी चल रही है जिस का फैक्ट्री अधिनियम में पंजीकरण होना चाहिए किन्तु एक्साइज ड्यूटी तथा बिक्री कर आदि के भय के कारण पंजीकृत नहीं है। सरकार को इनकी जांच करवा कर शीघ्र उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

सरकार ने सात आठ एजेंसियां जिमें भारत लैडर कारपोरेशन, यू पी स्टेट लैडर डिवेलेपमेंट कारपोरेशन तथा लघु उद्योग सेवा विस्तार केन्द्र प्रमुख हैं, इस व्यापार के विकास, विपणन, ऋण, प्रशिक्षण तथा प्रोत्साहन आदि देने हेतु स्थापित की हैं किन्तु उन्होंने भी कोई प्रभावी भूमिका भदा नहीं की है। राष्ट्रीयकृत बैंक तथा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड भी इस व्यापार में लगे लोगों को ऋण प्रदान करते हैं किन्तु उद्योग के विकास में इनका समुचित प्रयोग नहीं होता। सरकार को चाहिए कि उसके प्रयोग पर कड़ी निगाह रखे। सब से अच्छा उपाय यही है कि सरकारी एजेंसियां, कारीगरों को कच्चा माल एवं आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए तथा स्वयं तैयार माल उचित मूल्यों पर खरीदे।

(xi) DELAY IN EXECUTION OF GUNTAKAL-BANGALORE GAUGE LINE

SHRI DARUR PULLAIAH (Anantapur): Mr Deputy-Speaker, Sir, the people of Andhra Pradesh and Karnataka are agitated over the inordinate delay in execution and completion of conversion of Guntakal-Bangalore broadgauge line. This scheme was started in the year 1971 at a cost of Rs 17.07 crores to be completed within 40 months. Though more than eleven years have passed, the scheme is nowhere near completion due to meagre allotment of funds. It is highly deplorable that schemes sanctioned and commenced later than this like Karur-Dindigal Cape Camrin Trivandrum to mention only a few, have no problem of funds but the construction work on Guntakal-Bangalore line has been stopped and the large number of workers have been retrenched.

This is very important line for the development of backward areas of Rayalaseema in Andhra Pradesh and Karnataka both industrially and agriculturally. This line shortens the distance from South to Delhi, Bombay, Ahmedabad by 300 kms and reduces the pressure between Madras and Vijaywada line.

In view of this, I urge the Government to allot sufficient funds for this line and

complete the work as early as possible without retrenching the workers engaged on the construction of the above said line.

(xii) POLLUTION OF WATER AND AIR IN GOA

श्रीमती संयोगिता राणे (पाणाजी): उपाध्यक्ष जी, गोवा प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तट पर स्थित होने के कारण इसकी छटा निराली है। यह विभिन्न संस्कृतियों का संगम स्थल है। कोलाहल से दूर शांत वातावरण के लिए यह सम्पूर्ण देश में विख्यात है। गोवा को दक्षिण का नंदनवन कहते हैं।

किन्तु वर्तमान में गोवा में जल प्रदूषण और हवा का प्रदूषण इतना अधिक बढ़ गया है कि इससे खदानों के आसपास रहने वाले लोगों में टी० बी० बढ़ रही है।

गोवा में मँगनीज और आयरन-ओर की खदानें प्रमुख हैं। यह मेरे निर्वाचन क्षेत्र में आती हैं। मुझे इसकी निजी जानकारी है। आजू बाजू की कृषि विनष्ट हो गई है। एक और खदानों के मालिक करोड़ों रुपया कमा रहे हैं। वहां दूसरी ओर वहां की जनता पीने के स्वच्छ पानी की एक बाल्टी पानी को 50 पैसे दे कर खरीद रही है। वहां की जनता पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रही है। विभिन्न रसायनों के मिश्रण से परम्परागत चावल की फसल समाप्त हो रही है।

इन खदानों के माल को धोने की प्रक्रिया से नदी में मिट्टी जाम जाने से ही जून 1981 में डीचोली शहर और आसपास के इलाकों में अभूतपूर्व बाढ़ आई थी जिसकी विनाश लीला आज भी ताजी है। इसका कारण भी खदानों का विवेकहीन इस्तेमाल है। इन खदानों में काम करने वाले मजदूरों को डस्ट प्रोटेक्शन मास्क डेली यूज को भी नहीं दिये जाते हैं। इस दूषित मिट्टी का असर धीरे धीरे मजदूरों के शरीर पर होता है। यह भी टी० बी० बढ़ने का एक कारण है। समीपवर्ती किसानों को उनके जमीन का और नारियल के बगीचे का